बिहार विधान परिषद्

185वां सत्र

अल्पसूचित प्रश्न एवं उत्तर

वर्ग – 4

वृहस्पतिवार, तिथि 25 फाल्गुन, 1938 (श.) / 16 मार्च, 2017 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 12

1.	गृह (आरक्षी) विभाग	-	-	04
2.	श्रम संसाधन विभाग	-	-	01
3.	गृह (विशेष) विभाग	-	-	02
4.	परिवहन विभाग	-	-	01
5.	जल संसाधन विभाग	-	-	01
6.	पर्यावरण एवं वन विभाग	-	-	01
7.	लघु जल संसाधन विभाग	-	-	02
			कुल योग –	12

स्पीडी ट्रायल के द्वारा सजा

98. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला अन्तर्गत जितेन्द्र प्रसाद, पे.-श्री सुरेश साह, ग्राम-बैरिया, थाना-आदापुर के द्वारा अपनी पुत्री प्रियंका कुमारी का अपहरण दिनांक 08.05.2015 की संध्या में करने की बात कह प्राथमिकी आदापुर थाना कांड संख्या-78/15 के द्वारा अमित सिंह, पिता-अमलदेव सिंह, राजनी कुमारी, मनोज सिंह सहित अन्य लोगों पर की गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि मोतिहारी कोर्ट में अभियुक्तगण द्वारा प्रियंका कुमारी को दबाव एवं बहला-फुसलाकर 164 का बयान दिया, कांड के अभियुक्त अमित सिंह के घर पर रहने लगी एवं विवाह भी कर लिया गया, जिसके 4-5 माह बाद पिता अपनी पुत्री प्रियंका कुमारी से मिलने गए तो यह कहकर कि बाहर गई है, अभी घर पर नहीं है, परन्तु बैरिया के गांव के एक व्यक्ति द्वारा बताया गया कि आपकी बेटी को जान से मार दिया गया है, जिसके बाद जितेन्द्र प्रसाद, पे.-सुरेश साह, बैरिया द्वारा अपनी बेटी की हत्या करने का आदापुर थाना कांड संख्या-182/16, दिनांक 7.11.2016 को अभियुक्तगण द्वारा मामला दर्ज कराया गया, जिसके बाद ग्रामीणों एवं आदापुर थाना द्वारा बैरिया गांव की कुडिया नदी के पास गर्भवती हालत में सिर धड़ से अलग कर की गई निर्मम हत्या की हुई लाश मिली;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त निर्मम हत्या करने वालों को अविलंब गिरफ्तार कर, कुर्की-जब्ती कर तथा स्पीडी ट्रायल के माध्यम से सजा दिलाना चाहती है तथा वादी को न्याय दिलाने हेतु कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

केन्द्रों की सूची

99. **श्री मंगल पाण्डेय** : क्या मंत्री, श्रम संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार में कुल 534 प्रखंड हैं, जिसमें कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्रों के संचालन के लिये श्रम संसाधन विभाग के द्वारा संस्थाओं का चयन कर लिया गया है, उसमें 15 नवम्बर, 2016 से इन केन्द्रों पर कौशल प्रशिक्षण केन्द्र खोलने की घोषणा की गई है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार अभी तक खोले गये प्रखंडवार कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र की सूची सदन को उपलब्ध कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

उत्तर : (क) आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है। कुशल युवा कार्यक्रम का प्रशिक्षण 15 दिसम्बर, 2016 से प्रारंभ करने की घोषणा थी तथा 15 दिसम्बर, 2016 से चरणबद्ध तरीके से कौशल प्रशिक्षण केन्द्रों पर कुशल युवा कार्यक्रम का प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिया गया है।

(ख) सूची संलग्न।

विधि-व्यवस्था दुरुस्त नहीं

100. **श्री लाल बाबू प्रसाद** : क्या मंत्री, गृह (विशेष) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि समस्तीपुर जिला के विभूतिपुर प्रखंड के एक पत्रकार ब्रज किशोर ब्रजेश की हत्या अपराधियों के द्वारा कर दी गई;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पत्रकार को चार अपराधियों ने उनके द्वारा चलाये जा रहे चिमनी में घुसकर गोली मारी;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार बिहार में हो रहे पत्रकारों की हत्या एवं गिरती विधि-व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु ठोस कार्रवाई करना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों?

अद्यतन जानकारी

101. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सरकार काली कमाई से अर्जित 159.4 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कराना चाहती है;

(ख) क्या यह सही है कि इसके लिए आर्थिक अपराध इकाई की ओर से 66 प्रस्ताव प्रवर्त्तन निदेशालय को भेजे गये हैं, जो पटना, लखीसराय, भागलपुर समेत एक दर्जन से अधिक जिलों से जुड़े हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस संबंध में अद्यतन जानकारी देना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

अवैध वसूली पर अंकुश

102. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राजधानी पटना सहित राज्य के अन्य शहरों में वाहन प्रदूषण जांच के नाम पर विभाग द्वारा सिर्फ खानापूर्ति हो रही है;

(ख) क्या यह सही है कि मानक से अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ 17 दिसम्बर, 2016 से अभियान चल रहा है लेकिन विभाग को अबतक सिर्फ 75 वाहन ही मिले हैं, जो मानक से अधिक प्रदूषण फैला रहे हैं, जबकि शहर में अत्यधिक वाहन ऐसे हैं, जिनसे जांच के नाम पर खानापूर्ति कर अवैध राशि वसूलने का गोरखधंधा विभाग द्वारा अपनाया जा रहा है, जिससे शहर में प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्रदूषण जांच के नाम पर अवैध वसूली पर अंकुश लगाने तथा प्रदूषण नियंत्रण कानून को सख्ती से लागू करने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों?

बालू माफियाओं पर कार्रवाई

103. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सन् 1975 में सोन में बाढ़ आने के कारण पूरा पटना जलमग्न हो गया था, तब पानी निकलते ही केंद्र सरकार ने सैदाबाद से लेकर मनेर तक सोन सुरक्षा बांध का निर्माण कराया था;

(ख) क्या यह सही है कि बालू माफियाओं ने सोन सुरक्षा तटबंध को क्षतिग्रस्त कर रास्ता बनाते हुए ट्रक-ट्रैक्टर दौड़ा रहे हैं, जिससे बांध की हालत खराब हो गयी है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त तटबंध में कटाव जारी रहा तो 1975 जैसी हालत पटना में फिर से हो सकती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बालू माफियाओं पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

उच्चस्तरीय जांच

104. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के डेल्हा थाना में कांड संख्या-29/2010 दर्ज कराया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त कांड संख्या के सरकारी गवाह तत्कालीन पुलिस अवर निरीक्षक, उमेश पासवान हैं;

(ग) क्या यह सही है कि उमेश पासवान को न्यायालय द्वारा बार-बार गवाही के लिए नोटिस-सम्मन दिये जाने के बावजूद सात साल से उक्त कांड के लिए गवाही देने नहीं जा रहे हैं, जिससे न्यायालय की अवमानना हो रही है;

(घ) क्या यह सही है कि उनकी गवाही के अभाव में उक्त कांड संख्या के मुकदमे की सुनवाई लंबित है, ड्यूटी पर कार्यरत रहने के बावजूद वे न्यायालय में गवाही देने नहीं जा रहे हैं;

(ड.) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार तत्कालीन पुलिस अवर निरीक्षक, उमेश पासवान को गवाही देने के लिए निदेश देना चाहती है और गवाही देने जाने में सात साल विलंब किये जाने के कारणों की उच्चस्तरीय जांच करना चाहती है?

ट्रैफिक की कुव्यवस्था

105. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर एवं बेगूसराय शहर में ट्रैफिक की कुव्यवस्था से आम लोगों का चलना परेशानियों से भरा रहता है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त शहर में बेहतर ट्रैफिक की व्यवस्था सपनों से भरा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर एवं बेगूसराय शहरों में यातायात की व्यवस्था सुचारु रूप से चलाने हेतु पर्याप्त सुरक्षा बल मुहैया करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

मापक यंत्र बनाने की व्यवस्था

106. **श्री रणविजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, पर्यावरण एवं वन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना का प्रदूषण का स्तर दिल्ली के पार पहुंच गया है, इसे रोकने के लिए बिहार राज्य प्रदूषण पर्षद ने शहर में दो और मापक यंत्र लगाने की योजना बनाई है;

(ख) क्या यह सही है कि पटना तथा राज्य के अन्य शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर बहुत ज्यादा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार पटना एवं राज्य के अन्य शहरों में प्रदूषण का स्तर सामान्य रखने के लिए कौन-सी योजना बना रही है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

रुपया वापस कबतक

107. **श्री बिनोद नारायण झा** : क्या मंत्री, गृह (विशेष) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि 'घर बैठे पैसे कमाएं' गैंग ने 37 अरब रुपये की ठगी की है, जिसमें बिहार के सीतामढ़ी जिले के 7 हजार लोग इसके शिकार हुए हैं एवं इस साइबर क्राइम में उनका 42 करोड़ रुपया डूबा है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार सोशल ट्रेड डॉट बिजनेस कम्पनी, उत्तर प्रदेश से बिहार के लोगों का रुपया वापस दिलाने का एवं उत्तर प्रदेश सरकार से समन्वय स्थापित कर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

नहर की सफाई

108. **डा. उपेन्द्र प्रसाद** : क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिला के संपतचक प्रखंड अन्तर्गत झाली से पकहा होते हुए ग्राम उदैनी तक पईन की सफाई नहीं होने से दर्जनों गांव के किसानों की रबी फसल की बुआई समय पर नहीं हो पा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि रबी फसल की बुआई समय पर नहीं होने से किसानों के साथ-साथ मजदूर भी पलायन करने पर मजबूर हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार जनहित में किसानों की फसल समय पर बुआई हेतु उक्त नहर की सफाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

पईन का जीर्णोद्धार

109. **श्री संजीव श्याम सिंह** : क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिले के गुरारू एवं कोच प्रखंड के अंतर्गत नेरा नदी से निकलकर सोनडीहा से बाली गांव तक वर्षो पुरानी पईन है;

(ख) क्या यह सही है कि सरकारी उदासीनता के कारण आज यह पईन अपना अस्तित्व खो चुकी है;

(ग) क्या यह सही है कि अतिक्रमण एवं देखरेख के अभाव में यह पईन भर गई है एवं इस कारण हजारों एकड़ जमीन जिसे यह सिंचित करती थी, सिंचाई के अभाव में खेती नहीं हो पा रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस पईन का पुन: जीर्णोद्धार करना चाहती है, यदि हां तो कबतक

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्

पटना
दिनांक : 16 मार्च, 2017